अध्यात्म आचरण का हिस्सा बने

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी
ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

आध्यात्मिकता का बहुत सरल अर्थ बाबा ने हम बच्चों को बताया है। आत्मा के विकास, पोषण और रक्षण हेतु जो अधिक ज्ञान उसे आध्यात्मिकता कहते हैं। बाबा के शब्दों में बिल्कुल सरल रूप से कि बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं। तो बाप जो समझाते हैं वही स्पिरिचुअल नॉलेज है, आध्यात्मिक ज्ञान है। भक्ति में जो हम ज्ञान प्राप्त करते हैं वो फिलॉसफी है। अलग-अलग चिंतकों ने संसार के सनातन सत्यों के बारे में खुद चिंतन करके जो बातें बताईं मूल सत्य कौन से हैं। आत्मा के बारे में, परमात्मा के बारे, सृष्टि चक्र के बारे में, कर्म के बारे में, जन्म के बारे में, वर्ण के चक्र के बारे में। ये जो संसार के सनातन सत्य हैं उन सत्यों पर विविध चिंतकों ने अपनी बुद्धि अनुसार, अपनी साधना की स्थिति अनुसार चिंतन करके जो बातें बताईं, जो मान्यतायें बताईं उसे हम शास्त्रयुक्त ज्ञान कहते हैं। मनुष्यात्माओं का ज्ञान कहते हैं। और वो फिलॉसफी है। केवल फिलॉसफी आत्मा का कल्याण नहीं कर सकती, जब तक फिलॉसफी प्रैक्टिकल जीवन में न आये। जिसके लिए हम लोगों को भी समझाते हैं कि आज हमारी बुद्धि में मान लो हमने हज़ारों शास्त्र पढ़े हैं और वो ज्ञान हमारी बुद्धि में भरा हुआ है तो बेशक वो विद्वता है, पांडित्य है। लेकिन हज़ारों शास्त्रों का ज्ञान होते हुए भी अगर मन परमात्मा में एकाग्र नहीं होता है, विकारों में अटकता है तो उसे शुष्क पांडित्य कहेंगे और ऐसी विद्वता, ऐसा पांडित्य आत्मा का कल्याण नहीं कर सकता। इसलिए जब कई लोग कहते हैं कि इनको तो पूरी गीता ही कंठस्थ है, सारे श्लोक उनको याद हैं, और लोग इन बातों से प्रभावित हो जाते हैं, ये हुई उनकी याद शक्ति, ये स्पिरिचुअल पॉवर तो नहीं हुआ ना!

अलग-अलग चिंतकों ने संसार के सनातन सत्यों के बारे में खुद चिंतन करके जो बातें बताईं मूल सत्य कौन से हैं। आत्मा के बारे में, परमात्मा के बारे, सृष्टि चक्र के बारे में, कर्म के बारे में, जन्म के बारे में, वर्ण के चक्र के बारे में। ये जो संसार के सनातन सत्य हैं उन सत्यों पर विविध चिंतकों ने अपनी बुद्धि अनुसार, अपनी साधना की स्थिति अनुसार चिंतन करके जो बातें बताईं, जो मान्यतायें बताईं उसे हम शास्त्रयुक्त ज्ञान कहते हैं।

आत्मा की गति होती है स्पिरिचुअल पॉवर के आधार पर। इसीलिए बाबा हम बच्चों को कहते हैं कि हमें गीता शास्त्र नहीं पढ़ना है लेकिन जीवन को गीता बनाना है। बाबा के ज्ञान के आधार पर, प्रैक्टिकल प्रमाण हमारा जीवन बने, ये हमारा लक्ष्य है। इसलिए मुरली में बाबा उदाहरण भी देते हैं कि एक पंडित ने माताओं को सिखाया कि राम-राम बोलोगे तो गंगा पार जाओगे। माताओं ने बड़ी श्रद्धा और विश्वास के साथ उस बात को ग्रहण कर लिया। जब मातायें सत्संग करके लौट रहीं थी तो उनको वापिस जाना था, तब कोई नईया नहीं थी तो उन्होंने भगवान के नाम पर ही उसको पार कर लिया। उन्होंने उस पंडित को कहा कि स्वामी जी आप भी हमारे साथ गांव चलिए। जब नदी किनारे पहुंचे तो बोले नांव कहाँ है? बोला स्वामी जी आपने ही तो सिखाया था कि राम-राम कहो तो पार हो जाआगे तो नईया क्यों मांग रहे हो? क्योंकि उनके पास सिर्फ पांडित्य थी, मान्यतायें थी। लेकिन माताओं के पास प्रैक्टिकल में वो विश्वास, श्रद्धा और निश्चय था जिसके बल से वो पार हो गईं। तो इसी रीति हम सभी बाबा के बच्चों का लक्ष्य है कि बाबा जो हम बच्चों को कहते हैं उसे रोज ब रोज के व्यवहारिक जीवन में धारण करना है। हमें बाबा की ज्ञान की बातों से केवल बुद्धि की झोली नहीं भरनी है लेकिन बुद्धि को भरने के बाद उसे हमें कर्म में लाना है, अभ्यास में लाना है और अनुभव की स्थिति को प्राप्त करना है। जैसे हम भोजन करते हैं, पेट में भरते हैं लेकिन अगर हम उसको डायजेस्ट नहीं करते हैं तो वो भोजन ब्लड और एनर्जी में कन्वर्ट(परिवर्तन) नहीं होता। हमें उस भोजन से शक्ति तब मिलेगी, उससे ब्लड तब मिलेगा जब वो डायजेस्ट होगा। इस प्रकार बाबा हम बच्चों को जो सत्य ज्ञान देते हैं उस सत्य ज्ञान की शक्ति का अनुभव हमें तब हो सकता है जब हम उसे अभ्यास में लायें। इसलिए सबसे पहले बाबा के ज्ञान को प्राप्त करने के बाद हमें अन्तर्मुखी बनकर विवेक से उस ज्ञान को समझना है।

सिरसागंज-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'डॉक्टर्स स्नेह मिलन' कार्यक्रम में स्थानीय सांसद डॉ. चंद्र सेन जादौन, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गीतांजलि बहन, ब्र.कु. शशि बहन, जैनुलाब्दीन जी तथा शहर के अनेक चिकित्सक उपस्थित रहे।

आगरा-शास्त्रीपुरम(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र पर 'कल्प तरु' परियोजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में वृक्षारोपण करते हुए ब्र.कु. मधु बहन, ब्र.कु. अशोक गाबा, डॉ. सुमन गुप्ता, ब्र.कु. दीपक भाई, सुशील भाई, शैलेन्द्र भाई, अविनाश चंद तथा अन्य भाई-बहनें।

बहल-हरियाणा। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के 57वें पावन स्मृति दिवस पर ग्रामीण महिलाओं की नृत्य प्रतियोगिता रखी गई जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने बहुत उमंग-उत्साह से भाग लिया तथा विजेता महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुंतला बहन, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय झुप्पा की प्रिंसिपल बिमला मैडम, विवेकानंद स्कूल बहल की प्रिंसिपल पृथा जायसवाल तथा ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

जयपुर-राजापार्क(राज.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'योगयुक्त बनो रोगमुक्त बनो' विषय पर सूरज मैदान में आयोजित कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान युवा संगठन महामंत्री केदार गुप्ता, डंगायच ग्रुप एवं मेरिट होटल के चेयरमैन हरिमोहन डंगायच, ब्रह्माकुमारीज़ की सबज़ोन इंचार्ज ब्र.कु. पूनम दीदी, योगा मेटिक पीस ऑफ माइंड थेरेपी एंड वेलनेस सेंटर के डायरेक्टर योगाचार्य अजय नामा आदि उपस्थित रहे।

बालीचौकी मंडी-हि.प्र.। आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी समझाने के पश्चात् तहसीलदार रमेश ठाकुर को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए ब्र.कु. दक्षा बहन।

सादाबाद-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी सोम वार्ष्णेय, योगा शिक्षक दाऊजी, ब्र.कु. बबिता बहन, ब्र.कु. पूजा बहन, ब्र.कु. कमलेश बहन, रमा बहन आदि अनेक भाई-बहनें उपस्थित रहे।

सोनीपत-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के सोनीपत रिट्रीट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में शारीरिक व्यायाम के साथ-साथ मन का व्यायाम किस तरह किया जाता है इसका बहुत सुंदर अनुभव कराया गया। कार्यक्रम में ब्र.कु. अनीता दीदी, ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. विजय दीदी तथा ब्र.कु. बिन्दु दीदी सहित 300 से अधिक भाई-बहनें शामिल रहे।

भुरकुंडा-रामगढ़ कैंट(झारखण्ड)। बेंचमार्क पब्लिक स्कूल में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'होलिस्टिक हेल्थ एंड पॉज़िटिव थिंकिंग' विषय पर कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. श्वेता बहन, स्कूल के प्रिंसिपल आशुतोष कुमार चौबे तथा विद्यार्थीगण।

कादमा-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग की ओर से खंड झोझूकलां के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित किये जाने पर ब्र.कु. वसुधा बहन ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए इसके बारे में विस्तार से बताया। इस मौके पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सुभाष शर्मा तथा आयुष विभाग के अधिकारीगणों सहित हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के जिला सचिव अमित जाखड़, योगाचार्य चांद सिंह आर्य व विद्यालय के स्टाफ भी मौजूद रहे।

मीरगंज-गोपालगंज(बिहार)। मातेश्वरी जगदम्बा सरस्वती के 57वें पुण्य स्मृति दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता बहन, मालती बहन, बबीता बहन, गीता बहन तथा अन्य।

मालपुरा-राज.। 'राजयोग द्वारा एक कदम पिता से परम पिता की ओर' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. जीत बहन। मंचासीन हैं एडवोकेट राकेश कुमार वर्मा, रिटा. प्रिंसिपल साइंटिस्ट जय सिंह मान तथा वरिष्ठ अध्यापक महावीर जी।